सी.एस.आई.आर. – राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला ने मनाया एक दिवसीय हिंदी सम्मेलन

krantiodishanews.in/post/1552

March 15, 2024

सी.एस.आई.आर. – राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला के पर्यावरण विज्ञान एवं जैवचिकित्सा मापिकी प्रभाग द्वारा आज एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसका विषय था “पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य : वर्तमान चुनौतियाँ “।

उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर वेणु गोपाल आचंटा, निदेशक, सीएसआईआर-
राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि प्रयोगशाला में पर्यावरण विज्ञान एवं जैवचिकित्सा मापिकी से संबन्धित अंशांकन व परीक्षण कार्य शीघ्र ही शुरू होगी।

पर्यावरण विज्ञान एवं जैवचिकित्सा मापिकी प्रभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद सिंह ने अपने उद्बोधन में इस प्रभाग के गठन व राष्ट्रीय/
अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की ऐतिहासिक उपलब्धियों की जानकारियां दी।

डॉ. शंकर गोपाल अग्रवाल, मुख्य वैज्ञानिक, एनपीएल व सचिव, मेट्रोलॉजी सोसाइटी ऑफ इण्डिया ने एमएसआई के बारे में बताया।

डॉ. अखिलेश गुप्ता,वरिष्ठ सलाहकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने अपने व्याख्यान में प्रदुषण, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के अंतर्संबंधों पर विस्तृत ज्ञानवर्द्धक जानकारी

डॉ. सुमित कुमार मिश्रा, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला में प्रधान वैज्ञानिक और इस सम्मेलन के संयोजक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

दिन भर चले इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर कई तकनीकी सत्रों का भी आयोजन किया गया था। इसमें प्रोफेसर यू सी कुलश्रेष्ठ, पर्यावरण विज्ञान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, डॉ मयंक कुमार, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली, अबगा जी, राष्ट्रीय संयोजक, नीड मिशन, डॉ सुमित शर्मा, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम, प्रोफेसर (डॉ) अनंत मोहन, प्रोफेसर (डॉ) संजय कुमार राय, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), प्रोफेसर (डॉ) अनिल अरोड़ा, गंगाराम अस्पताल, प्रोफेसर चिराश्री घोष, पर्यावरण अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ जे आर भट्ट, राष्ट्रीय उच्च अध्ययन संस्थान, बंगलुरु, डॉ जे एस शर्मा, इंडियन एसोसिएशन ऑफ एयर पॉल्यूशन कंट्रोल, सौरभ मिश्र, वरिष्ठ अधिवक्ता, सर्वोच्च न्यायालय आदि संस्थानों के विषय-विशेषज्ञों सहित अन्य क्षेत्रों के गणमान्य चिकित्सक व प्रबुद्धजनों ने अपने अनुभवों को साझा किया तथा मानव कल्याण के लिए विषयानुकूल समाधान प्रस्तुत किया।

सम्मेलन में प्रतिभागी शोधार्थियों द्वारा ४० से ज्यादा पोस्टर्स को प्रदर्शित किया गया और उत्कृष्ट पोस्टरों को सम्मानित भी किया गया।